



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 314]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 5, 1986/श्रावण 14, 1908

No. 314]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 5, 1986/SRAVANA 14, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1986

घावेष

का. घा. 459 (अ).—हथकरषा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण)
अधिनियम, 1985 (1985 के 22) की धारा-3 की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सलाहकार समिति द्वारा की
गई सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात् कि हथकरषा उद्योग के संरक्षण
और विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्र सरकार एनएच द्वारा
भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय के आदेश संख्या एस. ओ. न. 99 (ई)
दिनांक 11 मार्च, 1986 का अधिक्रमण करते हुए तत्काल प्रभाव से
निम्नलिखित तालिका में वर्णित वस्तुओं अथवा वस्तुओं की श्रेणी का उत्पा-
दन केवल हथकरषों द्वारा आरक्षित करने का निर्देश देती है:— अथवा

तालिका

क्रम सं.	वस्तु	हथकरषों द्वारा उत्पादन हेतु आरक्षित अथ
1	2	3
1.	साड़ी	साड़ी संकेद अथवा विरजित अथवा कुछ रंगे अथवा अतिरिक्त में अथवा अतिरिक्त

1

2

3

बाने के साथ रंगे हुए सूत से बुना हुआ ऐसा
कपड़ा है, जिसमें निम्नलिखित संयुक्त विशेष-
ताएँ भी हैं:—

(1) इसे बाइंडर (पल्लू) और/अथवा
रंगीन सूत अथवा संकेद (ये)
अथवा विरजित सूत अथवा जरी
अथवा अन्य धातविक/धातु की तह
बड़े सूत अथवा इस सभी के मिश्रित
सूत के शीर्ष भाग की बुनाई की
विलक्षणता में पहचाना जा सकता
है;

(2) इसकी चौड़ाई 70 से. मी. से
140 से. मी. (किनारे सहित) के
बीच होती है;

(3) इसकी लम्बाई 2.5 मीटर से 9.5
मीटर के बीच होती है;

1	2	3	4	5
		(4) इसे सामान्यतः रेश के धन्य-धन्य धातों में धन्य-धन्य नामों के प्रसिद्ध नाम से जाना जाता है; और ।		(2) इसमें ताने धन्यवा बाने और दोनों धातों को खनाखन भरकर डोरी का रूप दिया जाता है धन्यवा विभिन्न काउंटो के धागे का प्रयोग करके ताने धन्यवा बाने को और धारीदार नमूना बनाया जाता है ।
		(5) इसे किसी भी प्राकृतिक धन्यवा मानव निर्मित सूत धन्यवा दोनों के किसी मिश्रण से निर्मित किया जाता है ।		(3) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 90 से. मी. से 140 से. मी. के बीच होती है ।
		(क) जो साड़ियां 100 प्रतिशत सिन्थेटिक सूत धन्यवात पोलियस्टर, नाइलोन सूत धन्यवा धन्यवा इनके किसी मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिए ये धावेज लागू नहीं होंगे ।		(4) इसकी लम्बाई 5 मीटर से 8.5 मीटर के बीच होती है ।
		(ख) जो मिश्रित धन्यवा संयोजित साड़ियां 45 प्रतिशत (भार में) से अधिक मानव निर्मित फाइबर यार्न (विस्कोस यार्न सहित) से कृत्रिम धन्यवा मानव निर्मित रेशे/यार्न के मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिए यह नियम लागू नहीं होंगे ।	3. बांधन और रजित साड़ी और रजित सामान	(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है ।
		बोर्डर (किनारा)		बांधन रजित और कपड़ा, सूत को विभिन्न रंगों में रंग कर वे प्रत्येक रंग के सूत को ताने बार और बाने बार गांठ लगाकर बनाया जाता है । इसे रेशम सहित किसी भी रेशे धन्यवा रेशों को मिलाकर बनाया जाता है ।
		बोर्डर को रेशम, जरी तथा अन्य किसी धातविक/धातु की तह, चढ़े धागे सहित सफेद बिरजित, चिकने और/धन्यवा रंगीन धागे से लम्बाई में किनारे के बिल्कुल समीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से धन्यवा बुने किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है ।	4. धोती	धोती बोर्डर और बोर्डर में अधिक ताने सहित एक धन्यवा विरजित सफेद सावा बुना हुआ कपड़ा है । इसकी संयुक्त विशेषताएं इस प्रकार हैं :—
		हैंडिंग/कास बोर्डर/फल्सू		(1) इसे किसी भी प्राकृतिक रेशे धन्यवा मानव निर्मित रेशे धन्यवा दोनों के मिश्रण से बनाया जाता है ;
		इसको रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी धन्यवा अन्य किसी धातविक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद, बिरजित, चिकने धन्यवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से धन्यवा बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है ।		(2) इसे बुने हुए बोर्डर और/धन्यवा जीर्ण में, सफेद धन्यवा रंगीन सूत धन्यवा जरी धन्यवा कोई अन्य धातविक/धातु की तह चढ़े सूत धन्यवा इस सब के मिश्रण का प्रयोग किया जाता है ;
		स्पन्डीकरण		(3) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 70 से. मी. से 140 से. मी. होती है ;
		प्रतिरिक्त ताने/प्रतिरिक्त बाने की परिभाषा इस प्रकार है—ताने के सिरे/बाने के पिक्स का वह समूह जो कपड़े के मुख्य भाग को बनाने में भाग लिये बिना डिजायन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है । प्रतिरिक्त ताने के सिरे/बाने के पिक्स बुनाई के दौरान प्रतिरिक्त हीलडस, डोबी, जैकार्ड धन्यवा किसी अन्य साधन धन्यवा संसाधनों के माध्यम से सम्मिलित किये जा सकते हैं ।		(4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 5 मीटर के बीच होती है ; और
2. कोटा डोरिया साड़ी		कोटा डोरिया साड़ी सफेद धन्यवा बिरजित बुना हुआ सावा कपड़ा है जिसकी निम्न-लिखित संयुक्त विशेषताएं हैं :—		(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है ।
		(1) इसे पूर्ण रूप से सूती धन्यवा सूती प्रधानता के साथ-साथ रेशम सहित किसी अन्य रेशे के मिश्रण से तैयार किया जाता है ।		(क) जो धोतियां 100 प्रतिशत सिन्थेटिक सूत धन्यवात पोलियस्टर, नाइलोन सूत धन्यवा धन्यवा इनके किसी मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिये ये धावेज लागू नहीं होंगे ।
				(ख) जो मिश्रित धन्यवा संयोजित साड़ियां 45 प्रतिशत (भार में) से अधिक मानव निर्मित फाइबर यार्न जो (विस्कोस यार्न सहित) से कृत्रिम धन्यवा मानव निर्मित रेशे/यार्न के मिश्रण से तैयार की जाती हैं उनके लिये यह धावेज लागू नहीं होंगे ।

1	2	3	1	2	3
	बोर्डर (किनारा)				
	बोर्डर को रेशम, कुत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धातविक/धातु की तरह चढ़े धागे सहित बिरंजित, चिकने और/अथवा रंगीन धागे से सम्बाई में और किनारे के बिल्कुल स्मीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।				
	टैबिंग/कास बोर्डर				
	इसको रेशम, कुत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धातविक/धातु की तरह चढ़े धागे सहित सफेद, बिरंजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से सम्बाई में बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।				
	स्पन्डीकरण:				
	अतिरिक्त ताने/अतिरिक्त बाने की परिभाषा इस प्रकार है—ताने के सिरों/बाने के पिक्स का वह समूह जो कपड़े के मुख्य भाग को बनाने में भाग लिये बिना डिजाइन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। अतिरिक्त ताने के सिरों/बाने के पिक्स बुनाई के दौरान अतिरिक्त हील्डस डोबो, जैकाड अथवा किसी अन्य साधन अथवा यंत्रावली के माध्यम से सम्मिलित किये जा सकते हैं।				
5.	गमछा और घंग बस्त्र (क) गमछा:				
	गमछा एक ऐसा कपड़ा है जिसे जरीर के ऊपरी हिस्से को ढकने के लिए प्रयोग किया जाता है और इसे तोलिये ब सिर को ढकने के काम में भी लिया जाता है। इसे सफेद अथवा बिरंजित अथवा दोनों के मिश्रित केवल सूती धूत से डीली बुनाई से तैयार किया जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—				
	(1) इसकी चौड़ाई 70 से. मी. से 95 से.मी. के बीच होती है;				
	(2) इसकी लम्बाई 1 मीटर से 1.62 मीटर के बीच होती है।				
	(ख) घंगबस्त्र:				
	घंगबस्त्र सफेद अथवा बिरंजित एक ऐसा कपड़ा है जिसके बोर्डर और बोर्डर में अतिरिक्त ताने कर सादी बुनाई की जाती है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—				
	(1) इसे किसी प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित रेशे रेशम सहित (स्पन रेशम को छोड़कर) अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ;				
	(2) इसके बुने हुए बोर्डर और/अथवा बीच में सफेद अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धातविक धातु की तरह चढ़े सूत अथवा इन सब के मिश्रण का प्रयोग होता है ;				
		6. लुंगी.			
		लुंगी एक चारबाजों के डिजाइन वाला रंगीन धागों से सादी बुनाई किया गया कपड़ा है जो टुकड़ों में मिलता है। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:—			
		(1) इसे किसी भी प्राकृतिक रेशे अथवा मानव निर्मित रेशे रेशम रेशे सहित (स्पन रेशम को छोड़कर अथवा) दोनों के मिश्रण से बनाया जाता है;			
		(2) इसमें बोर्डर हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता;			
		(3) इसकी चौड़ाई 70 से.मी. से 140 से.मी. के बीच होती है;			
		(4) इसकी लम्बाई टुकड़ों में 1.5 मी. से 2.5 मी. के बीच होती है; और			
		(5) इसे सामान्यतः लुंगी, सरोगल, कैलिज मुट्स, बचखानाज और पन्थोडि जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है।			
		जो लुंगी 100 प्रतिशत सिंथेटिक सूत अर्थात् पोलियेस्टर, नाइलोन सूत आदि अथवा इनके किसी मिश्रण से तैयार की जाती है उनके लिए ये आदेश लागू नहीं होंगे।			
		7. कमीज का कपड़ा :			
		कमीज का कपड़ा एक ऐसा कपड़ा है जो सफेद अथवा रंगीन सूत द्वारा चारबाजों के डिजाइन में पूर्ण रूप से धूत से बनाया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—			
		(1) इसे निरंतर लम्बाई में तैयार किया जाता है; और			
		(2) इसकी चौड़ाई 70 से.मी. से 130 से.मी. के बीच होता है।			
		8. जेब बन्ध :			
		जेब एक ऐसा वस्त्र है जिसे ताने अथवा बाने अथवा दोनों में अथवा सामान्य ऐसे हुए सूत के मिश्रण में अच्छी तरह ऐसे हुए सूती बाने द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—			
		(1) इसे निरंतर लम्बाई में तैयार किया जाता है ;			
		(2) इसकी सतह सिमचव वाली सिक्कन वाली अथवा बानेदार होती है ;			
		(3) इसे सफेद अथवा बिरंजित अथवा रंगीन क्लस्सों में तैयार किया जाता है; और			
		(4) इसकी चौड़ाई 70 से.मी. से 136 से.मी. के बीच होती है।			

1	2	3	1	2	3
9. तौलिया:	तौलिया बोर्डर अथवा शीर्ष सहित कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा है जिसे सादी चटाई दुबल, छते, हुक-बेक अथवा इन सबके मिश्रण से बना जाता है। जिसका संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—				(3) इसकी चौड़ाई 110 से. मी. से 155 से. मी. के बीच होती है;
	(1) इसे सूत अथवा मूत के मिश्रण के साथ अन्य रेशों को मिलाकर तैयार किया जाता है;				(4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 2.8 मीटर के बीच होती है; और
	(2) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है;				(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।
	(3) यह सफेद अथवा रंगीन हो सकता है; और		10.	(ग) बैड कवर :	
	(4) जैकार्ड पर तैयार किए गए तौलिया सुन्दर डिजाइन वाले हो सकते हैं;			बैड-कवर एक ऐसा कपड़ा है जिसे सफेद अथवा विरजित अथवा रंगीन धागों से बनस्पतीय अथवा ज्यामितीय डिजाइनों में बारबानों बाईर और अथवा शीर्ष सहित अथवा रहित अथवा रंगीन बना होता है। बैड जब प्रयोग में न लाया जा रहा हो तो उसे ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—	
	(5) मेट बुनाई के साथ तैयार किया गया तौलिया सामान्यतः केरल में शरमा थोरू और तमिलनाडु में शरमा फूडू के नाम से जाना जाता है।			(1) इसे पूर्ण रूप से सूती कृत्रिम रेशम अथवा इसके मिश्रण से तैयार किया जाता है;	
10. खेत/पलंग की चादर	खेत एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे सफेद अथवा विरजित अथवा रंगीन सूत के साथ सादा अथवा धारियों में बारबाने वाले डिजाइनों में डबल क्लाय बुनाई जिसमें काउंटों की सीमा ताने में 2/17 एस. से 5/22 एस और बाने में 8 एस. से 12 एस होती है में बना जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—			(2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाईयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है;	
	(1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इन के मिश्रण से तैयार किया जाता है;			(3) इसकी चौड़ाई 75 से. मी. से 225 से. मी. के बीच होती है;	
	(2) इसकी चौड़ाई 75 से. मी. से 225 से. मी. के बीच होती है;			(4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 2.8 मीटर के बीच होती है; और	
	(3) इसकी लम्बाई 1.50 मीटर से 2.8 मी. के बीच होती है; और			(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।	
	(4) सामान्यतः इसे इसी नाम से जाना जाता है।		10.	(घ) पलंग-पोस	
	(ख) पलंग की चादर:			पलंग पोस एक ऐसा कपड़ा है जिससे सफेद अथवा विरजित अथवा रंगीन धागे से स्ट्रिप्स सहित अथवा रहित अथवा बारबानों अथवा बनस्पतीय अथवा ज्यामितीय डिजाइनों में बाईर और/अथवा शीर्ष में उभरी धाकृतियों में बना जाता है। बैड को बाहर से ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं:—	
	पलंग की चादर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा है जिसे बोर्डर में लम्बाईवार और चौड़ाई-वार रंगीन सूत से बना जाता है। और इसे पलंग पर बिछाया जा सकता है और इसमें पलंग की चादरें शामिल हैं। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं।			(1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इसके मिश्रण से तैयार किया जाता है;	
	(1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है;			(2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाईयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है;	
	(2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाईयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है;			(3) इसकी चौड़ाई 75 से. मी. से 225 से. मी. के बीच होती है;	

1	2	3	1	2	3
	(4) इसकी लम्बाई 1.50 मीटर 2.3 मीटर के बीच होती है; और				(4) इसका प्रयोग झाड़ने और बरताने के लिए किया जाता है।
	(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसे "कैडल जिक" के नाम से भी जाना जाता है।		13. चावर		चावर का कार्य ऐसे कपड़े के टुकड़े से है जिसका शाल की तरह शरीर ढकने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसे सफेद बिरजित अथवा रंगीन सूत अथवा मिश्रित धागे से तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
10.	(इ) (दीवार दरी सहित) साज सज्जा का सामान — (दीवार दरी सहित) साज-सज्जा का सामान एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे सफेद अथवा बिरजित अथवा रंगीत धागे से और बोहरे कपड़े की बुनाई अथवा पीक बुनाई में बुना जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :— (1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है; (2) इसकी चौड़ाई 75 से. मी. से 225 से. मी. के बीच होती है; (3) इसे निरन्तर लम्बाई में तैयार किया जाता है; (4) इसका प्रयोग साज-सज्जा के लिए किया जाता है।				(1) इसे चाग्खाने अथवा स्टूप पद्धति से बुना जाता है। इसमें पूर्वोत्तर भारत में बाबेंर और फ्रास बाबेंर सहित अत्यधिक बिजाईनों में तैयार मेखला अथवा फेनक चावर भी शामिल है।
			14. जामाकालम बरी अथवा दुररेट		यह एक ऐसा कपड़ा है जिसका प्रयोग कमी ढकने के लिए बरी अथवा दुररेट के रूप में किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :— (1) इसे तैयार करने के लिए ताने और बाने दोनों 4 एस से 12 एस. की रेंज के बहुत मोटे रिजस्टेंट काउंट का प्रयोग किया जाता है; (2) इसे सादी अथवा दुईल-इनके संशोधनों सहित, बुनाई में अथवा सादी और दुईल दोनों की मिश्रित बुनाई में अथवा बेल्बेट तकनीक में अथवा शमील तकनीक में बुना जाता है; (3) इसे सफेद अथवा बिरजित अथवा रंजित सूती अथवा कृत्रिम रेशमी अथवा ऊनी धागे सहित दोनों के मिश्रण से तैयार किया जाता है; इसे दोनों रंग में तैयार किया जाता है; (4) इसमें अतिरिक्त ताना अथवा अतिरिक्त बाना हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता; (5) किनारों के सिरों को मोटा बोहुरा करके मोटे किनारे प्राप्त किए जाते हैं और यही इसकी विशेषताएं; (6) इसे अलग-अलग आकारों में बनाया जाता है और इसे सामान्यतः अलग-अलग क्षेत्रों में जामाकालम, बरी, दुररेट, आदि जैसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।
11. टेबल क्लोथ टेबल मैट और नेपकिन	इसे या तो बिरजित अथवा रंजित धागे से किसी भी पद्धति से बुना जाता है और इसे पूर्ण रूप से सूती अथवा कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :— (1) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है; (2) इसके किनारे हो भी सकते हैं नहीं भी हो सकते; (3) इसके चारों तरफ बुने हुए बोंडर होते हैं; और (4) इसे सामान्यतः टेबल क्लोथ, टेबल मैट और नेपकिन जैसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।				
12. बस्टर और बस्ता	बस्टर एक ऐसा कपड़ा है जिसे मोटे धागे से, 10 एस. काउंट से अधिक नहीं। (10 एस. तक रिजस्टेंट काउंट सहित) सादे अथवा दुईल रूप से बुना जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :— (1) इसे पूर्ण रूप से सूत से तैयार किया जाता है; (2) इसके सभी तरफ बोंडर हो भी सकता है नहीं भी हो सकता; (3) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है और यह निरन्तर लम्बाई में हो सकता है; और		15. बक्रम कपड़ा:		बक्रम कपड़ा एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे मोटे धागे से बुना जाता है। शर्ट कोट, आदि के कालरों में पेडिंग अथवा लार्डिंग के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :— (1) इसे सूत, ऊन अथवा मिश्रण से तैयार किया जाता है; और

1	2	3
		(2) इसे ताने और बाने में 8 एस. से 12 एस. के काउंटों में तैयार किया जाता है।
16. मशक कपड़ा		मशक कपड़ा रेशमी अथवा रेयन ताने और सूती बाने सहित साटिन में बुना हुआ एक प्रकार का कपड़ा है। रंगीन स्ट्रिप्स इसकी विशेषता है।
17. लोरीड पिक :		सभी लो रीड कपड़ा सूती में तैयार किया जाता है और इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
		(1) क्रमशः 36 और 32 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप-3 में कपड़ा
		(2) क्रमशः 40 और 36 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप 4.5 और 6 में कपड़ा ;
		(3) क्रमशः 44 और 40 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप 7 और ऊपर में कपड़ा ;
		(4) इस दिशा में इनके लिए कुछ भी लागू नहीं होगा :—
		(क) छोटी और साड़ी;
		(ख) सुसीज
		(ग) मच्छर धानी का कपड़ा;
		(घ) लम्बा कपड़ा ;
		(ङ) आलीदार कपड़ा।
		(च) रंजित और छपा हुआ कपड़ा;
		और
		(छ) कोटि वस्त्र
		स्पष्टीकरण
		ऊपर उल्लिखित अभिव्यंजना ग्रुप अथवा ग्रुपों का अर्थ नीचे अनुसूची में विशेष कृत कपड़ा ग्रुप अथवा ग्रुपों से है।
		स्पष्टीकरण
		रीड्स और पिक्स अभिव्यंजना का अर्थ क्रमशः प्रति इंच सिरे और प्रति इंच पिक्स से है।

अनुसूची

ग्रुप	मूलभूत काउंट		अनुश्रेय काउंट	
	ताना	बाना	ताना	बाना
1.	14	10	9-14	9-12
2.	14	14	12-16	13-16
3.	20	20	17-21	17-24
4.	22	30	22-25	25-34
5.	30	30	26-36	26-34
6.	30	40	35-42	35-42
7.	40	40	35-42	35-42

1	2	3
18. रेशम		(क) किसी भी इष्ट्यात्मक पदार्थ जिसमें भार में 25 प्रतिशत से अधिक शुद्ध रेशम हो अथवा बोर्डर/पल्लू सहित अन्य रेशमों के मिश्रण से बनी सभी रेशम को साठियों जिसमें बोर्डर/पल्लू अथवा बस्त्र के अन्य किसी भाग में अतिरिक्त ताना अथवा अतिरिक्त बाना हो अथवा न भी हो। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
		(1) इसे बांडर (पल्लू) और / अथवा रंगीन सूत अथवा सफेद (ग्रे) अथवा विरंजित सूत अथवा जरी अथवा अन्य धात्विक/धातु की सह चड़े सूत अथवा इन सभी के मिश्रित सूत के शीर्ष भाग की बुनाई की बिलक्षणता में पहचाना जा सकता है ;
		(2) इसकी चौड़ाई 70 से. मी. से 140 से. मी. (किनारे सहित) के बीच होती है।
		(3) इसकी लम्बाई 2.5 मीटर से 9.5 मीटर के बीच होती है।
		(ख) किसी भी इष्ट्यात्मक पदार्थ जिसमें भार में 25 प्रतिशत से अधिक शुद्ध रेशम हो अथवा बोर्डर / शीर्ष सहित अन्य रेशमों के मिश्रण से बनी सभी रेशम की साठियां जिसमें बोर्डर शीर्ष अथवा बस्त्र के अन्य किसी भाग में अतिरिक्त ताना अथवा अतिरिक्त बाना हो अथवा न भी हो। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
		(1) इसके बुने हुए बोर्डर और अथवा शीर्ष में ग्रे अथवा विरंजित अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धात्विक/धातु के सहचड़े सूत अथवा इन सबके मिश्रण का प्रयोग किया जाता है।
		(2) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 70 से. मी. से 140 से. मी. के बीच होती है ;
		(3) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 5 मीटर के बीच होती है ;
		नोट(क) जोरबेट, सिफॉन और जेम साड़ी और घोटियां जब कपड़े के मुख्य भाग में अतिरिक्त (ग्रे) रेशम के धागे के प्रयोग से बनाई गई हो और बोर्डर पल्लू में अतिरिक्त ताने और अतिरिक्त बाने सहित अथवा कपड़े के किसी भी मुख्य भाग (में बोर्डर पल्लू सहित) जारी धात्विक सूत अथवा अन्य किसी रंगीन रेशम, का प्रयोग केवल अतिरिक्त ताने या अतिरिक्त बाने का प्रयोग किया गया हो उन पर यह आवेक लागू नहीं होगी।

1	2	3	1	2	3
		(ख) स्पष्ट सिद्ध के प्रयोग से तैयार की गई साक्ष्यों और छोटियों से निम्न में आदेश लागू नहीं होंगे।	20. बेरक कम्बल		बेरक कम्बल औसत 34 माईकोन घीर उससे मोटे ऊनी धागे से बना रेगोवार सतह वाला मोटा कपड़ा है जिससे भाईलिंग और रेजिंग द्वारा तैयार किया जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :-
बोर्डर (किनारा)		बोर्डर को रेगम, कृत्रिम रेगम, अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तरह चड़े धागे सहित सफेद विरंजित चिकने/अथवा रंगीन धागे से लम्बाई में किनारे के बिल्कुल समीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।			(1) ऊनी कम्बल हाथ से कते, मिन से कते, प्राकृतिक सफेद/काले ऊन के ऊनी धागे अथवा रेशों के साथ इस ऊन को मिला कर तैयार किया जाता है, और
हेडिंग/कास बोर्डर/पल्लू,		इसकी रेगम कृत्रिम रेगम, जारी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तरह चड़े धागे सहित सफेद, विरंजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गए किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।			(2) इसे किसी भी आकार और गुनाई में तैयार किया जाता है;
					(3) शाओ ऊनी यार्न से निर्मित बेरक कम्बल पर यह आदेश लागू नहीं होंगे।
		स्पष्टीकरण:—	21. जाल, लोई, मफलर, पंखी, आदि		जाल एक ऐसे कपड़े का टुकड़ा है जिसे बबलरीन अथवा ऊनी अथवा केशमिलान अथवा अन्य किसी रेशे से बुना जाता है। महिलाओं अथवा पुरुषों द्वारा अपने शरीर को ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसे कंधे के ऊपर ओढ़ा जाता है और इसमें कोई सिलाई-प्रक्रिया मिश्रित नहीं है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :-
		अतिरिक्त ताने/अतिरिक्त बाने की परिभाषा इस प्रकार है— ताने के सिर/बाने के पिकस का वह समूह जो कपड़े के मुख्य भाग को बनाने में भाग लिये बिना डिजायन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। अतिरिक्त ताने के सिर/बाने के पिकस गुनाई के दौरान अतिरिक्त डीलबस, डोबी जैकार्ड अथवा किसी अन्य साधन अथवा यंत्राली के माध्यम से सम्मिलित किये जा सकते हैं।			(1) इसे किसी भी रेशे के प्रयोग से डिजाईनों में तैयार किया जाता है जिसमें अतिरिक्त बाना हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता।
20. कम्बल अथवा कम्बली		ऊनी कम्बल अथवा कम्बली की रेगोवार सतह होती है और इसे ऊन के बने मोटे कपड़े से भाईलिंग और रेजिंग द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :-			(2) इसे किसी भी प्रकार के ऊनी धागे, बबलरीन धागे अथवा मिश्रित धागे और इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ;
		(1) ऊनी कम्बल अथवा कम्बली हाथ से कते, मिल के कते, बबलरीन ऊन अथवा किसी मिश्रित धागे से सादे, स्ट्रिम अथवा चारबाने के डिजाईनों में तैयार किया जाता है।			(3) इसे किसी भी धागे के काउंट से तैयार किया जाता है ;
		(2) इसे औसत 34 माईकोन की ऊन और परिष्कृत की गई मोटी ऊन जिसका वजन 300-450 ग्राम वर्ग मीटर है के प्रयोग से तैयार किया जाता है।			(4) इसे किसी भी लम्बाई, चौड़ाई और वजन में तैयार किया जाता है; और
		(3) शाओ ऊनी धागे के प्रयोग से तैयार की गई कम्बली इसमें शामिल नहीं होंगी।			(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।
					जाल में लोई, पंखी के साथ-साथ मफलर भी शामिल है। इसमें कुल्लू, किमसुरी, कनो, पशमीना, घोरी, लिराबू (विष्कती) सोर्प, आदि परम्परागत शालें भी शामिल हैं।

22. ऊनी कपड़ा : यह एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे 100 प्रतिशत शुद्ध ऊनी धागे से तैयार किया जाता है। इसकी कोट, प्रिन्ट और पहलूने के काटे बनाए जाते हैं। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
- (1) इसे ताने और बुनने में 7 एन. एन. से 9 एन. एन. काउंट से तैयार किया जाता है :—
 - (2) इसे किसी भी लम्बाई और चौड़ाई से तैयार किया जाता है;
 - (3) इसे चरमदाने अथवा स्ट्रुप डिजाइन में तैयार किया जाता है; और
 - (4) इसे दुबल बुनाई में तैयार किया जाता है।
- [लंबाई की. सो. एच. एम्बोर्स/1(2)/86]

चरम वासचीमा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1986

S.O. 459(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Act, 1985 (22 of 1985), the Central Government being satisfied after considering the recommendations made to it by the Advisory Committee that it is necessary so to do for the protection and development of the Handloom Industry, hereby directs that in supersession of the Order No. S.O. 99(E), dated the 11th March, 1986 of the Government of India in the Ministry of Textiles and with immediate effect, the articles of class or articles specified in the table below shall be reserved for exclusive production by Handlooms, namely :—

TABLE

Sr. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
1.	Saree	<p>Saree is a cloth in any weave either in grey or bleached or piece dyed or woven with coloured yarn with extra warp or extra weft, which is also jointly characterised by the following :—</p> <ol style="list-style-type: none"> (i) is characterised by its woven borders and/or headings containing coloured yarn or grey or bleached yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these; (ii) has width ranging between 70 cms and 140 cms (inclusive of selvages); (iii) has a length ranging from 2.5 metres to 9.5 metres; (iv) is commonly known by that name/distinguished by different names in different parts of the country; and (v) is made from any natural or man-made fibre or in any combination thereof. <p>(a) Nothing in this direction will apply to Sarees made-out of 100% synthetic fibre i.e., Polyester, Nylon, yarn etc. or in any combination thereof.</p> <p>(b) Nothing in this direction will apply to sarees made in blends or union with more than 45% by weight of man-made fibre-yarn (including viscose rayon) in combination with any natural or man made fibre/yarn.</p>

Sr. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
	Border	<p>Border may be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven length-wise close to the selvages using grey, bleached, mercerised and/or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.</p> <p>Heading/Cross Border/Pallav</p> <p>Can be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven width-wise with grey, bleached, mercerised or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.</p> <p>Explanation I</p> <p>Extra Warp/Extra Weft may be defined as the group of warp ends/Weft picks which are used for obtaining design effect, without taking part in forming the ground or body of the fabric. The extra warp ends/weft picks may be inserted during weaving by employing additional healds, dobby, jacquard or by any means or mechanism.</p>
2.	Kotah Doria Saree :	<p>Kotah Doria Saree is a plain woven cloth either grey or bleached which is also jointly characterised by the following :—</p> <ol style="list-style-type: none"> (i) is manufactured wholly from cotton or predominantly cotton alongwith combination of any other fibre including silk; (ii) has corded effect obtained by cramming either the warp or weft threads or both or by using threads of different counts to form stripe or check pattern. (iii) has a width ranging from 90 cms to 140 cms (Inclusive of selvages) (iv) has a length ranging from 5 metres to 8.5 metres and (v) is commonly known by that name.
3.	Tie & Dye Saree and material	<p>Tie and Dye fabrics are made by dyeing the yarn used in manufacture of fabrics in different colours by tying the yarn in knots separately for each colour both weft-wise and warp-wise or either and is manufactured from any fibre or in combination of fibres including silk.</p>
4.	Dhoti	<p>Dhoti is a grey or bleached cloth of plain weave woven with border with extra warp in the border which is also jointly characterised by the following :—</p> <ol style="list-style-type: none"> (i) is made from any natural or man-made fibre or in any combination thereof; (ii) contains white or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these in its woven borders and/or headings; (iii) has a width ranging from 70 cms to 140 cms (Inclusive of selvages) (iv) has a length varying from 1.5 metres to 5.0 metres; and (v) is commonly known by that name. <p>(a) Nothing in this direction will apply to Dhoties made out of 100% synthetic fibre i.e. Polyester, Nylon yarn etc. or in any combination thereof.</p> <p>(b) Nothing in this direction will apply to sarees made in blends or union with more than 45% by weight of man-made fibre/yarn (including viscose rayon) in combination with any natural or man made fibre/yarn.</p> <p>Border may be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven lengthwise close to the selvages using grey, bleached, mercerised and/or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.</p> <p>Explanation I : Extra warp may be defined as the group of warp ends which are used for obtaining design effect, without taking part in forming the ground or body of the fabric. The extra warp ends may be inserted during weaving by employing additional healds, dobby, jacquard or by any means or mechanism.</p>

Sl. Item No.	Range reserved for production by Handlooms
5. Gamcha and Angavastram	<p>(a) Gamcha : Gamcha is a piece of fabric used for covering the upper part of the body and also used for towel purpose as well as for covering the head. It is produced in a loose weave with grey or coloured yarn or in combination of both, made only in cotton which is also jointly characterised by the following :</p> <p>(i) has a width ranging from 70 cms to 95 cms; and</p> <p>(ii) has a length varying from 1 metre to 1.82 metres.</p> <p>(b) Angavastram : Angavastram is a grey or bleached cloth of plain weave with border with extra warp in the borders which is also jointly characterised by the following :—</p> <p>(i) is manufactured from any natural fibre including silk (except spun silk) or any man-made fibre or in any combination thereof;</p> <p>(ii) contains white or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or combination of these in its border or headings.</p> <p>(iii) has a width ranging from 70 cms to 100 cms (inclusive of selvages)</p> <p>(iv) has a length varying from 1.5 metres to 3.00 metres; and</p> <p>(v) is commonly known by that name.</p>
6. Lungi	<p>Lungi is a plain woven cloth using dyed yarn with check pattern in pieces which is also jointly characterised by the following :—</p> <p>(i) is manufactured from any natural fibre including silk (except spun silk) or man-made fibre or in any combination thereof;</p> <p>(ii) may or may not contain borders;</p> <p>(iii) has a width ranging from 70 cms to 140 cms;</p> <p>(iv) has a length varying from 1.5 metres or 2.5 metres in pieces; and</p> <p>(v) is commonly known by different names like lungies-sarongs, kalties, mootus, backhkanas and pachhdi.</p> <p>Nothing in this direction will apply to Lungi made-out of 100% synthetic fibre i.e., Polyester, Nylon yarn etc. or in any combination thereof.</p>
7. Shirtings	<p>Shirting is a fabric made wholly of cotton and woven out of grey or coloured yarn in check pattern which is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) produced in running lengths; and</p> <p>(ii) has a width varying from 70 cms to 130 cms.</p>
8. Crepe Fabrics	<p>Crepe is a fabric produced by highly twisted cotton yarn in warp or weft or both or in combination with normal twisted yarn which is also jointly characterised by the following : —</p> <p>(i) is produced in running lengths;</p> <p>(ii) is characterised by a crinkled, puchered or pebly surface;</p> <p>(iii) is produced in grey or bleached or coloured form; and</p> <p>(iv) has a width varying from 70 cms to 130 cms.</p>
9. Towels	<p>A towel is a piece of fabric woven in plain mat, twill, honey-comb huckaback or a combination of these weave with borders or headings which is also jointly characterised by the following :—</p> <p>(i) is made of cotton or blends of cotton with any other fibre;</p> <p>(ii) are made in different dimensions;</p> <p>(iii) may be white or coloured; and</p> <p>(iv) may contain decorative designs when produced on jacquard;</p> <p>(v) Towels with mat weave is commonly known as Brazha Throrthu in Kerala and Brazha Thunadu in Tamil Nadu.</p>

Sl. Item No.	Range reserved for production by Handlooms
10. Khes, Bed Sheet, (a) Khes	<p>Bed Cover, Counter Pane & Furnishings including (Tapestry)</p> <p>Khes is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn in plain or stripes or check designs in double cloth weave with counts ranging from 2/17s to 2/22s in warp and 8s to 12s in weft which is also jointly characterised by the following :—</p> <p>(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or combination thereof;</p> <p>(ii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;</p> <p>(iii) has a length ranging from 1.50 metres to 2.8 metres and</p> <p>(iv) is commonly known by that name.</p>
(b) Bed Sheet	<p>Bed Sheet is a piece of cloth woven with coloured yarn in the border lengthwise and widthwise and which may be used on a bed and includes sheeting which is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;</p> <p>(ii) is of any weave including satin, a combination of weaves with or without dobby or jacquard;</p> <p>(iii) has a width ranging from 110 cms to 155 cms;</p> <p>(iv) has a length ranging from 1.5 metres to 2.8 metres; and</p> <p>(v) is commonly known by that name.</p>
(c) Bed Cover	<p>Bed Cover is a piece of cloth woven in grey or bleached or coloured yarn with or without checks or in floral or in geometrical designs with woven borders and/or headings having a decorative or coloured effect used as outer covering of a bed when not in use, which is also jointly characterised by the following :—</p> <p>(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;</p> <p>(ii) is of any weave including satin or a combination of weaves with or without dobby or jacquards;</p> <p>(iii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;</p> <p>(iv) has a length varying from 1.5 metres to 2.8 metres; and</p> <p>(v) is commonly known by that name.</p>
(d) Counter Pane	<p>Counter pane is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn with or without stripes or in checks or in floral or in geometrical designs with woven borders and/or headings woven in raised figures and used as outer covering of bed, which is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;</p> <p>(ii) it may be of any weave including satin or a combination of weaves with or without dobby or jacquards</p> <p>(iii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;</p> <p>(iv) has a length varying from 1.50 metres to 2.8 metres and</p> <p>(v) is commonly known by that name. It is also known as "Candle wick" in some areas.</p>

Sl. Item No.	Range reserved for production by Handlooms	Sl. Item No.	Range reserved for production by Handlooms						
	(e) Furnishings (including tapestry)	16. Mashru Cloth	Mashru cloth is a type of cloth in satin weave with silk or rayon warp and cotton weft and having the characteristics of coloured stripes.						
	Furnishings (including tapestry) is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn woven in double cloth weave or pique weave, which is also jointly characterised by the following :	17. Low reed pick cloth	All low reed pick cloth in cotton with the following joint characteristics:						
	(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;		(i) Cloth in group III with reeds and picks less than 36 and 32 respectively;						
	(ii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;		(ii) Cloth in groups IV, V and VI, with reeds and picks less than 40 and 36 respectively;						
	(iii) is produced in running lengths; and		(iii) Cloth in group VII and above, with reeds and picks less than 44 and 40 respectively.						
	(iv) is used for furnishing purposes.		(iv) nothing in this direction shall apply to:—						
11. Table Cloth Table Mat & Napkins;	They may either be woven by using bleached or dyed yarn with any woven pattern and manufactured wholly from cotton or art silk of in combination thereof, which is also jointly characterised by the following :		(a) Dhooties and sarrees;						
	(i) are made in different dimensions;		(b) Sarees;						
	(ii) may or may not have fringes;		(c) Mosquito netting cloth						
	(iii) has woven borders on all the four sides; and		(d) leno cloth						
	(iv) are commonly known by different names like Table Cloth, Table Mat and Napkin.		(e) mesh cloth						
			(f) Dyed and printed cloth and						
			(g) coated fabrics.						
12. Duster and Basta	Duster is a piece of cloth woven out of coarse yarn not exceeding 10s count (including resultant count upto 10s) in plain or twill weave which is also jointly characterised by the following :—	Explanation I							
	(i) is made wholly of cotton;	The expression group or groups mentioned above has reference to the cloth group or groups specified in the Schedule given below:							
	(ii) may or may not have borders on all sides;	Explanation II							
	(iii) is made in different sizes and may be in running lengths; and	The expression reeds and picks shall refer to ends per inch and picks per inch respectively;							
	(iv) is used for mopping or for making Basta.								
13. Chaddar	Chaddar means any piece of cloth used for covering the body like shawl, woven with grey, bleached or coloured cotton or blended yarn which is also jointly characterised by the following :—	SCHEDULE							
	(i) It is woven with check or striped pattern. This will also include Mekhala or Phaneek Chaddar produced with ornamented designs having border and cross border made in North East India.	Group	Basic Warp	Count Weft	Permissible count				
					Warp	Weft			
		I	14	10	9-14	9-12			
		II	14	14	13-16	13-16			
		III	20	20	17-21	17-24			
		IV	22	30	22-25				
		V	30	30	26-36	26-34			
		VI	30	40	35-42	35-42			
		VII	40	40	35-42	35-42			
14. Jamakkalam Durry or Durret	It is a piece of fabric used as floor covering as durry or durret which is also jointly characterised by the following :—	• Silk		(A) All silk sarrees made out of any material having more than 25% of pure silk by weight in its contents or when in combination with other fibres with Border/Pallav and with or without extra warp or extra weft in Border/Pallav or any where in the body of the fabrics which is jointly characterised by the following :—					
	(i) It is produced using very coarse yarn of resultant counts ranging from 4s to 12s both in warp and weft.	Sl. No. Item	Range reserved for production by Handlooms						
	(ii) is woven in plain weave or twill weave with their modification or in combination of both plain and twill weave or in technique of velvet weaving or chenille technique;		(i) is characterised by its woven borders and/or heading containing grey or bleached or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these.						
	(iii) is produced in grey or bleached or dyed yarn of cotton or art silk or in combination with woollen yarn. It is also produced in Mono colour;		(ii) has width ranging between 70 cms to 140 cms (inclusive of selvedges)						
	(iv) It may or may not contain extra warp or extra weft figurings;		(iii) has a length ranging from 2.5 metres to 9.5 metres.						
	(v) is characterised by its thick selvedges obtained by the use of thick twine as selvedge ends.		B. All silk dhooties made out of any material having more than 25% of pure silk by weight in its contents or when in combination with other fibres with border with or without extra warp or extra weft in the Border/Heading or any where in the body of the fabrics which is jointly characterised by the following:—						
	(vi) is made in different sizes and is commonly known by different names in different areas, such as Jamakkalam durry, durret etc.		(i) contains grey or bleached or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or combination of these in its woven border and/or headings.						
15. Bukram Cloth	Bukram cloth is a piece of cloth woven out of coarse yarn used as a padding or lining material for collars of shirts, coats etc., which is also jointly characterised by the following :—		(ii) has width ranging from 70 cms to 140 cms (inclusive of selvedges).						
	(i) It is made from cotton, wool, jute or in blends; and		(iii) has a length varying from 1.5 metres to 3.0 metres.						
	(ii) it is produced in counts of 8s to 12s both in warp and weft.								

S. No. Item	Range reserved for production by Handlooms	S. No. Item	Range reserved for production by Handlooms
Note:—	<p>(a) Nothing in this direction will apply to georgette, chiffon and crepe sarees and dhoties when produced using unbleached (grey) silk yarn in body of the fabric with or without extra warp and/or extra weft in the Border/Pallav or any where in the body of the fabric with zari/metallic yarn or any coloured yarn of any fibre used only in extra warp or extra weft in the fabric including Border/Pallav.</p> <p>(b) Nothing in this direction will apply to Sarees and Dhoties when produced using spun silk.</p> <p>Border: May be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven length wise close to the selvages using grey, bleached, mercerised end/or coloured yarn including silk, art silk, or any other metallic/metallised yarn.</p> <p>Heading/Cross Border/Pallav can be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven width wise with grey, bleached, mercerised or coloured yarn including Silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.</p> <p>Explanation Extra warp or extra weft may be defined as the group of warp ends weft pick which are used for obtaining design effect, without taking part in forming the ground or body of the fabric. The extra warp ends/extra weft picks may be inserted during weaving by employing additional healds, dobby jacquard or by any means or mechanism.</p>	20. Barrack Blankets	<p>Barrack blanket is a thick fabric made of woollen yarn of average 34 micron or coarser with fibrous surface produced by milling and raising which is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) Woollen blankets using hand spun, mill spun, woollen yarn from natural grey/black wool or combination of this wool with other fibres.</p> <p>(ii) It is produced in any size and in any weave.</p> <p>(iii) nothing in this direction shall apply to barrack blankets made out of shoddy woollen yarn.</p>
19. Kambal or Kamblies	<p>Woollen kambal or kamblies is a thick fabric made of wool with fibrous surface produced by milling and raising which is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) woollen kambal or kamblies using hand spun, mill spun, worsted woollen or in combination with any other blended yarn in plain or check designs;</p> <p>(ii) it is produced using the wool of average 34 micron and coarser with finished weight in range 300-450 gms/sq. metres.</p> <p>(iii) Nothing in this direction will include kamblies made of shoddy woollen yarn.</p>	21. Shawl, Lol, Mufflers Pankhi etc.	<p>Shawl is a piece of cloth woven from worsted or wolen or chasmlion or pashmina or any other fibre which is used by ladies or gents for covering their bodies/worn over the shoulders without any tailoring process which is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) woven with design with or without extra weft using any fibre;</p> <p>(ii) using any type of woollen yarn, worsted yarn or blended yarn or in combination thereof;</p> <p>(iii) it is woven with any count of yarn;</p> <p>(iv) it is woven in any length, width and weight; and</p> <p>(v) is commonly known by that name.</p> <p>The term shawl also includes Lol, Pankhi as well as mufflers. It will also include traditional shawls like Kulu, Kinnauri, Kanl, Pashmina, Dhori, Liranchu (Tibetan) Scarf, etc.</p>
		22. Woollen Tweed	<p>It is a piece of fabric woven by 100% pure woollen yarn for making coats, jackets, and dress material is also jointly characterised by the following:—</p> <p>(i) It is produced with 7 Nm to 9Nm count in warp and weft.</p> <p>(ii) It is produced in any length and width;</p> <p>(iii) It is produced in checks or stripe designs; and</p> <p>(iv) It is produced in twill weave.</p>

[No. DCH/ENP/1(2)/86]

[No. DCH/ENP/1(2)/86]

C.D. CHEEMA, Jr. Secy.

